दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 01 अगस्त 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 302

महत्वपूर्ण एवं खास

आईएनएस ऐरावत ने कार्निकोबार से मछली पकड़ने वाला बचाया पोत

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईएनएस ऐरावत को दिनांक 30 जुलाई 2021 को 2300 बजे कार्निकोबार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से मछली पकड़ने के जहाज सालेथ मथ से एक संकटकालीन फोन मिला। यह जहाज ऑपेरशन समुद्र सेतु के अंतर्गत कोविड 19 से संबंधित राहत सामग्री की सफल आपूर्ति करने के बाद जकार्ता, इंडोनेशिया से अपनी वापसी करते हुए इधर से गुज़र रहा था। वह तुरंत सहायता प्रदान करने के लिए अपनी अधिकतम गति से मछली पकड़ने वाली नौका की ओर बढ़ा। पोर्ट ब्लेयर आधारित 20 मीटर लंबी मछली पकड़ने वाली नाव चालक दल के सात सदस्यों के साथ दिनांक 29 जुलाई 2021 की सुबह से ही गियर बॉक्स में बड़ी खराबी के कारण एमएमबी चैनल 16 पर सहायता के लिए अनुरोध करते हुए कार्निकोबार से निकल रहे थे। 25 समुद्री मील से अधिक गति से बहती तेज हवाएं, क्षेत्र में सक्रिय दक्षिण पश्चिम मानसून की वजह से 3.5 मीटर तक उठती लहरों और रुक-रुक कर होने वाली बारिश ने टोइंग के काम को अत्यंत कठिन कार्य बना दिया। फिलहाल आईएनएस ऐरावत आगे की सहायता के लिए मछली पकड़ने वाली नौका को निकटतम बंदरगाह पर ले जा रहा है।

11 बार के महाराष्ट्र विधायक गणपतराव देशमुख का 95 साल की उम्र में हुआ निधन

सोलापुर (आरएनएस)। भारत के दूसरे सबसे लंबे समय तक विधायक रहे और पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) के वरिष्ठ नेता गणपतराव देशमुख का बीती देर रात यहां एक निजी अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। वह 95 वर्ष के थे और उनका अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर यहां सांगोले में किया जाएगा। नम्रता और सरलता के प्रतीक देशमुख 1962 के बाद से सांगोले सीट से 11 बार महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह भी केवल दो बार चुनाव हारे, पहली बार 1972 में और फिर 1995 में - दूसरी बार उन्हें अपने ही पोते ने हराया, लेकिन लगभग 190 वोटों के मामूली अंतर से। देशमुख ने 1978 में कुछ समय के लिए मंत्री के रूप में कार्य किया, जब शरद पवार मुख्यमंत्री थे । 2019 में, देशमुख ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का फैसला किया। तमिलनाडु के दिवंगत सीएम और डीएमके सुप्रीमो एम. करुणानिधि सबसे लंबे समय तक विधायक रहे थे। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (आरएनएस)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के नागबेरन-तरसर वन क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा कि फिलहाल इलाके में तलाश की जा रही है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी की और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, उन्होंने सुरक्षाबलों पर गोली चला दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

पाकिस्तान में कोरोना के आए 4,950 नये मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों में कुछ दिनों से लगातार वृद्धि हो रही है और पिछले 24 घंटे के दौरान 4,950 नये मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,29,811 हो गई है। देश में कोरोना वायरस के 4,950 नये मामले दर्ज़ किए गए। राष्ट्रीय कमान एवं संचालन केंद्र ने बताया कि इस दौरान 58,479 लोगों को कोविड परीक्षण किया गया जिनमें से 4,950 नए मामले की पुष्टि हुई है। इसी के साथ ही देश में इस महामारी से प्रभावित होने वालों की संख्या बढ़कर 10,29,811 हो गई है। देश में पॉजिटिव दर बढ़कर 8.64 हो गई है।

हमारी भाषाओं को संरक्षित करने के लिए सहयोगपूर्ण और अभिनव प्रयासों की जरूरत है : उपराट्रपति नायडू

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज भारतीय भाषाओं के संरक्षण और कायाकल्प के लिए अभिनव और सहयोगपूर्ण प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भाषाओं को संरक्षित करना और उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना केवल एक जन आंदोलन के माध्यम से ही संभव है। नायडु ने कहा कि हमारी भाषा की विरासत को हमारी आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित करने के प्रयासों में लोगों को एक स्वर से साथ आना चाहिए।

भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने के लिए विभिन्न लोगों द्वारा संचालित मार्मिक पहलों पर बात करते हुए, उपराष्ट्रपति ने एक भाषा को समृद्ध बनाने में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय भाषाओं में अनुवादों की गुणवत्ता और संख्या में सुधार के लिए प्रयास बढ़ाने का आह्वान किया। नायडु ने युवाओं के लिए बोली जाने वाली भाषाओं में प्राचीन साहित्य को अधिक सुलभ और संबंधित बनाने की भी सलाह दी। अंत में, उन्होंने लुप्तप्राय और पुरातन शब्दों को ग्रामीण क्षेत्रों और विभिन्न बोलियों की भाषा में संकलित करने का भी आह्वान किया ताकि उन्हें भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा सके।

मातृभाषाओं के संरक्षण पर तेलुगु कूटमी द्वारा आयोजित एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नायडु ने आगाह किया कि अगर किसी की मातृभाषा लुप्त जाती है, तो उसकी आत्म-पहचान और आत्म-सम्मान अंततः खो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अपनी विरासत के विभिन्न पहलुओं संगीत, नृत्य, नाटक, रीति-रिवाजों, त्योहारों, पारंपरिक ज्ञान को केवल अपनी मातृभाषा के जरिये ही संरक्षित कर सकते हैं।

इस अवसर पर नायडू ने भारत के मुख्य न्यायाधीश, एन.वी रमना की हालिया पहल की सराहना की, जिन्होंने एक महिला को अपनी मातृभाषा तेलुगु में अपनी परेशानियों को बताने की अनुमति देकर एक सौहार्दपूर्ण तरीके से 21 साल पुराने वैवाहिक विवाद को हल किया जब उन्होंने देखा कि उस महिला को धाराप्रवाह अंग्रेजी में बोलने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायिक प्रणाली की आवश्यकता पर बदल देता है ताकि लोग अदालतों में अपनी मूल भाषाओं में अपनी समस्याओं को बता सकें और क्षेत्रीय भाषाओं में आदालत निर्णय भी दे सकें।

उपराष्ट्रपति ने प्राथमिक विद्यालय स्तर तक मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने और प्रशासन में मातृभाषा को प्राथमिकता देने के महत्व को भी दोहराया।

नायडू ने एक दूरदर्शी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लाने के लिए केंद्र सरकार की सराहना की, जो हमारी शिक्षा प्रणाली में मातृभाषा के उपयोग पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि एनईपी की परिकल्पना के अनुसार समग्र शिक्षा तभी संभव है जब हमारी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को हमारी शिक्षा प्रणाली में एकीकृत किया जाए।

उन्होंने नए शैक्षणिक वर्ष से विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए 8 राज्यों के 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों के हालिया निर्णय की सराहना की। उन्होंने तकनीकी पाठ्यक्रमों में भारतीय भाषाओं के उपयोग में क्रमिक तरीके से बढ़ाने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने लुप्तप्राय भाषाओं के सुरक्षा और संरक्षण के लिए योजना (एसपीपीईएल) के माध्यम से लुप्त हो रही देशी भाषाओं की रक्षा करने की पहल के लिए शिक्षा मंत्रालय के प्रयासों की भी सराहना की।

मातृभाषा के संरक्षण में दुनिया में विभिन्न सर्वोत्तम परिपाटी का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने भाषा के प्रति उत्साही भाषाविदों, शिक्षकों, अभिभावकों और मीडिया से ऐसे देशों से पूरा ज्ञान लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फ्रांस, जर्मनी और जापान जैसे देशों ने इंजीनियरिंग, चिकित्सा और कानून जैसे विभिन्न उन्नत विषयों में अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हुए खुद को अंग्रेजी बोलने वाले देशों के मुकाबले हर क्षेत्र में मजबूत साबित किया है।

नायडू ने व्यापक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार का भी सुझाव दिया।

यह देखते हुए कि मातृभाषा को महत्व देने का अर्थ अन्य भाषाओं की उपेक्षा नहीं है, नायडु ने बच्चों को अपनी मातृभाषा में मजबूत नींव के साथ अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

लेफ्टिनेंट जनरल चावला ने आर्टिलियरी के महानिदेशक का आज संभालेंगे पदभार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लेफ्टिनेंट जनरल तरुण कुमार चावला, एवीएसएम आज 1 अगस्त 2021 को आर्टिलियरी के महानिदेशक का पदभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल के रवि प्रसाद, पीवीएसएम, वीएसएम से यह कार्य संभाला है, जो दिनांक 31 जुलाई 2021 को सेना में सेवा के उनतीस साल पूरे करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं।

जनरल ऑफिसर सेंट थॉमस हाई स्कूल, देहरादून और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें जून 1984 में आर्टिलयरी फील्ड रेजिमेंट में कमीशन प्रदान किया गया था और उन्होंने इस क्षेत्र के व्यापक स्पेक्ट्रम में काम किया है और कई कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक नियुक्तियों में अपनी सेवा प्रदान की है। उन्होंने वेस्टर्न और ईस्टर्न दोनों सेक्टर्स में एक आर्टिलियरी रेजिमेंट की कमान संभाली। उन्होंने नियंत्रण रेखा पर एक आर्टिलियरी ब्रिगेड और बाद में वेस्टर्न थिएटर में एक आर्टिलियरी डिवीजन की कमान संभाली है।

वह डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद और नेशनल डिफेंस कॉलेज नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं, उन्होंने मिलिट्री सेक्रेट्री ब्रांच, तत्कालीन परस्पेक्टिव और अब स्ट्रैटेजिक कहलाने वाले प्लानिंग डायरेक्टरेट, नॉर्दर्न सेक्टर में इन्फैंट्री डिवीजन तथा अंततः फाइनेंशियल प्लानिंग ब्रांच में डीजी का पदभार संभाला है ।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बीआरओ ने बचाव एवं राहत कार्य का किया संचालन

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के दौरान बचाव और राहत अभियान का संचालन कर रहा है। लाहौल और स्पीति घाटी में, रणनीतिक मनाली-सरचू मार्ग को कई स्थानों पर भूस्खलनों के कारण यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। शिमला स्थित बीआरओ की परियोजना दीपक ने बचाव और राहत अभियान को संचालित करने और क्षतिग्रस्त सड़क को साफ करने के कार्यों को अंजाम देने के लिए कर्मियों और उपकरणों के साथ अपने प्रशिक्षित अभियंता कार्यबल को शीघ्र इस स्थल पर भेजा।

29 जुलाई, 2021 को मनाली-लेह मार्ग पर बारालाचला दर्रे के आगे सरचू के पास ऐसे ही एक हिस्से पर, महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग फंसे हुए थे और इस क्षेत्र के अत्यधिक ऊंचाई पर होने के कारण ऑक्सीजन की कमी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे थे। बीआरओ टीम ने 14,480 फीट की ऊंचाई पर स्थित केनलुंग सराय के पास अन्य भूस्खलनों की एक श्रृंखला से अवरूद्ध हुए मार्ग को साफ करते हुए लोगों को बचाया। हालांकि, बचाव प्रयासों में शामिल दीपक प्रोजेक्ट के नायक रीतेश कुमार पाल ने अपने प्राण गँवा दिए। बाद में सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया।

27 जुलाई, 2021 को एक अन्य घटना में, भारी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध किलर-टांडी सड़क मार्ग को खोलने के लिए बीआरओ के एक अलग अभियंता कार्य बल को तैनात किया गया था। क्षेत्र में दो यात्री वाहन फंसे हुए थे। पहले से ही इस मार्ग में दो भूस्खलनों को साफ करने वाले इस दल ने फिसलन भरे इस इलाके में फंसे नागरिकों के जीवन को बचाने के लिए देर रात तक निकासी अभियान चलाया।

आज से भारत के हाथों में होगी सुरक्षा परिषद की कमान

नई दिल्ली (आरएनएस)। आज से एक महीने के लिए भारत के हाथों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान होगी। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस महीने के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना की कवायद करने और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने को तैयार है। महासभा अध्यक्ष के कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने यूएन महासभा प्रमुख को भारत की अध्यक्षता के दौरान होने वाली मुख्य गतिविधियों से अवगत कराया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने अध्यक्षता संभालने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि जब हम अगस्त में अपना 75 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, उसी महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करना हमारे लिए एक सम्मान की बात है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बतौर अध्यक्ष भारत का पहला कार्य दिवस सोमवार यानी 2 अगस्त को होगा। तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महीने भर के लिए परिषद के कार्य को लेकर कार्यक्रम पर प्रेस वार्ता करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक कार्यक्रम के अनुसार, तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के लिए एक ब्रीफिंग भी प्रदान करेंगे, जो महीने के लिए परिषद के गैर-सदस्य हैं। सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।

अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा और ठोस रणनीति बनाने पर जोर देगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लड़ने पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है खासतौर से आतंकवाद के वित्त पोषण को, बल्कि हमने आतंकवाद पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है।

इस साल की शुरुआत में भारत ने कहा था कि इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत (आईएसआईएल) पर महासचिव की रिपोर्ट में आईएसआईएल तथा अल कायदा के तहत आने वाले प्रतिबंधित संगठन मसलन लश्कर-ए-तैयबा और अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी समूह मसलन जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियां भी शामिल होनी चाहिए। आतंकवाद से संबंधित मुद्दों पर हाल के महीनों में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति पर भारत ने इस रणनीति के अंतिम परिणाम को आकार देने में अत्यधिक सक्रिय भूमिका निभाई।

गृहमंत्री लखनऊ में रखेंगे आज फॉरेंसिक साइंसेज विश्वविद्यालय की आधारशिला

लखनऊ (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यूपी के दौरे पहुंच रहे हैं। शनिवार को मिली आधिकारिक जानकारी अनुसार गृह मंत्री रविवार को विशेष विमान से लखनऊ पहुंचेंगे। यहां से वह पिपरसंड स्थित उप्र स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने जाएंगे और वहां एक समारोह को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस कार्यक्रम में लखनऊ प्रबुद्धजनों से शाह मुलाकात भी कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों के अनुसार इसके बाद वह संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में भर्ती यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का हालचाल लेने जा सकते हैं। हालांकि अभी इसकी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गयी है।

शाह के कार्यक्रम के अनुसार गृह मंत्री पिपरसंड से हेलीकॉप्टर द्वारा मिजार्पुर के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां पर वह मिर्जापुर पहुंचेंगे, इसके बाद विंध्यवासिनी मंदिर के लिए रवाना होंगे और मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद शाह मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर परियोजना के शिलान्यास और रोपवे सहित अन्य विकास योजनाओं के लोकार्पण संबंधी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे, एवीएसएम, एनएम ने नौसेना स्टाफ के उप-प्रमुख के रूप में पदभार किया ग्रहण

नई दिल्ली (आरएनएस)। वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे, एवीएसएम, एनएम ने आज सुबह नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में आयोजित एक औपचारिक समारोह में नौसेना स्टाफ के उप-प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया। वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे ने यह पदभार वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी से ग्रहण किया। वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार 39 वर्ष की शानदार सेवा के बाद आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए), खडकवासला, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड स्थितयूनाइटेड स्टेट्स नेवल वॉर कॉलेज और मुंबई के नेवल स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। फ्लैग ऑफिसर को भारतीय नौसेना में 01 जनवरी 1984 को कमीशन किया गया था और वह नौवहन और निर्देशन विशेषज्ञ हैं। फ्लैग ऑफिसर का भारतीय नौसेना के फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर व्यापक परिचालन कार्यकाल रहा है। 37 वर्षों से अधिक के अपने करियर के दौरान, उन्होंने असंख्य परिचालन और स्टॉफ नियुक्तियों के माध्यम से अपनी सेवा प्रदान की है। उनकी महत्वपूर्ण परिचालन नियुक्तियों में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस ब्रह्मपुत्र, सबमरीन रेस्क्यू वेसल आईएनएस निरीक्षक और माइनस्वीपर आईएनएस एलेप्पी के साथ-साथ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस गंगा में सेकेंड-इन-कमांड शामिल हैं। आईएनएस निरीक्षक को उनकी कमान के दौरान पहली बार यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया था।

तट पर उनकी महत्वपूर्ण स्टाफ नियुक्तियों में सहायक प्रमुख कार्मिक (मानव संसाधन विकास), प्रधान निदेशक कार्मिक, निदेशक नौसेना प्लान्स और नौसेना मुख्यालय में संयुक्त निदेशक नौसेना प्लान्स जैसे अलग-अलग कार्य के रूप में, विदेश मंत्रालय (निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामले)में निदेशक (सैन्य मामले) लोकल वर्कअप टीम (वेस्ट), नेविगेशन डायरेक्शन स्कूल एवं नेशनल डिफेंस एकेडमी में इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति भी शामिल रही है। अधिकारी को कर्नाटक नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग और महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग जैसी प्रतिष्ठित पदों पर भी नियुक्त किया गया है।

वाइस एडमिरल के पद पर उन्होंने महानिदेशक नौसेना संचालन, चीफ ऑफ स्टाफ पूर्वी नौसेना कमान और नियंत्रक कार्मिक सेवाओं की चुनौतीपूर्ण और प्रतिष्ठित नियुक्तियों के रूप में कार्यभार संभाला है। रक्षा मंत्रालय (एन) में मुख्यालय में नौसेना स्टाफ के उप-प्रमुख के रूप में वर्तमान नियुक्ति को संभालने से पहलेफ्लैग ऑफिसर मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ में ट्राई-सर्विस नियुक्ति केउप प्रमुख (संचालन और प्रशिक्षण) के तौर पर कार्यरता थे।

फ्लैग ऑफिसर को 26 जनवरी 2017 को अति विशिष्ट सेवा मेडल और 2007 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नौसेना मेडल और 2000 में नौसेना प्रमुख द्वारा प्रशस्ति से सम्मानित किया गया है।

उन्हें वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार के स्थान पर नियुक्त किया है, जो 31 जुलाई 2021 को 39 वर्षों से अधिक की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। वीसीएनएस के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, नौसेना पूंजी अधिग्रहण को प्रोत्साहन देते हुए आवंटित बजट के 100 प्रतिशत उपयोग के साथ बजट आवंटन में वृद्धि की साक्षी रही है।